[Shri K. T. Kosalram]

the special fish 'Prawn' available here to the mother-ship waiting outside Indian waters and the cost is estimated to be of the value of nearly Rs. 1 crore; in a year the value of fish caught is estimated to be of the order of Rs. 6 crores. This captured Taiwanese vessel is still in Tuticorin harbour.

Thus, our national wealth to the order of Rs. 6 crores a year is swindled by foreign vessels by catching fish in our territorial waters. Besides the loss of national wealth, the livelihood of nearly a lakh of fishermen Navy vessels, thus giving protection to these foreign vessels.

I demand that the Agriculture Minister should take it up with the Minister of Defence and ensure 24-hour patrolling of this area by Indian Navy vessels, thus giving protection to our fishermen and to our national wealth

(vi) REPORTED MOLESTATION OF A WOMEN BY G. R. P. AT KISHANGANJ, BIHAR.

श्री डूमर लाल बैठा (अररिया) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन निम्नलिखित विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं--

पूर्व अध्याय

प्राप्त समाचारों के अनुसार पता चला है कि किशनगंज रेलवे जी० आर० पी० के एक सिपाही (शिवशंकर सिंह) द्वारा एक हरिजन परिवार की एक महिला के साथ काफी शर्मनाक क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया गया है जिस के कारण पूरे नगर में काफी सनसनी फैली हुई है। घटना इस प्रकार बताई जाती है कि उक्त महिला के पीछे जी० आर० पी० के कुछ सिपाही कई दिनों से लगे हुए थे। मौका पाकर एक दिन वे दल बल के साथ रात्रि 8 बजे के लगभग महिला के घर में घुस आए तथा उस के पति रेलवे हरिजन कर्मचारी के सामने ही महिला के साथ दुरव्यवहार करने लगे जिसका उस के पति ने विरोध किया। विरोध करने पर जी० आर० पी० सिपाहियों द्वारा उसके घर के सामने ही पोल में उसे बांध कर काफी मारा पीटा गया जिस से वह बेहोश होकर बंधा पड़ा रहा। उसी समय उसके सामने ही उसकी पत्नी की साड़ी खींच दी गई, ब्लाउज फाड़ दिया गया तथा साया खोल कर चोटी पकड़ कर घसीट कर वे उसे अन्धेरे में किसी-अज्ञात स्थान पर ले गए जहां उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया गया तो स्त्री ने अचेतावस्था में भी इसका विरोध किया, फलस्वरूप उस सिपाही ने लोहे की एक मोटी छड़ लाकर गरम कर उस के शरीर के कई स्थानों को जलाया। कई स्थानों से बदन को जलाकर अंत में उसी गरम छड़ को उक्त महिला के निजी अंगों में घुसेड़ दिया, फलतः महिला रोती तड़पती बेहोश हो गई जिसे निर्वस्त्र ही नदी में फेंक दिया गया क्योंकि सिपाहियों ने समझा था कि शायद वह मर गई हो। परन्तु दूसरे दिन सुबह वह महिला नदी के किनारे अचेतावस्था में एक रिक्शा चालक को मिली। रिक्शा चालक उसे लेकर अस्पताल पहुंचा। उधर उस के पति को भी बस्ती के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अभी भी वह महिला एवं उस के पति की हालत चिन्ताजनक बताई जाती है।

इस कांड से सम्बन्धित सिपाहियों की भी अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, पता चला है कि रेलवे दरोगा उक्त भ्रष्ट सिपाहियों को हिरासत में लेकर बचाव में लगे हुए हैं। सुना जाता है कि रेलवे के कई सिपाही इसी प्रकार बलात् कई भोली भाली युवतियों को अपनी हवस का शिकार बनाते हैं जिस के कारण जनता में काफी असंतोष व्याप्त है।

गृह मंत्री से अनुरोध है कि इस पर एक वक्तव्य देकर पूर्ण स्थिति से सभी को अवगत करायें।

MR. DEPUTY SPEAKER: Do not make any other speech; you must read what you have written and given. Other things will not be recorded.

13.41 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS (General), 1980-81—*Contd.*

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up further discussion and voting on the demands for grants under the control of the Ministry of External Affairs.

SHRI EDUARDO FALEIRO (Mormugao): Mr. Deputy-Speaker, foreign policy is fortunately one of those aspects or spheres of national political life where there is a broad consensus and the sharp political divisions that one witnesses in many other aspects of national life do not find a place